मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 6 **MHD–011**

हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि

[एम.ए. (हिन्दी)]

(एम. एच. डी.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2026

एम.एच.डी.–011 : हिन्दी कहानी

समय : 2 घण्टे *अधिकतम अंक : 50*

नोट : *(i)* ***प्रथम*** *प्रश्न अनिवार्य है।*

(ii) शेष में से किन्हीं ***तीन*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

---

1. निम्नलिखित गद्यांशों में से किन्हीं **दो** की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए : 2×10=20

(क) हिरामन ने फिर परदे के छेद से देखा, हीराबाई एक कागज के टुकड़े पर आँख गड़ाकर बैठी है। हिरामन का मन आज हल्के सुर में बंधा है। उसको तरह-तरह के गीतों की याद आती है। बीस-पच्चीस साल पहले, बिदेशिया, बलबाही, छोकरा-नाचवाले एक से-एक गज़ल-खेमटा गाते थे। अब तो, भोपां में भोंपू-भोंपू करके कौन गीत गाते हैं लोग! जा रे ज़माना। छोकरा नाच के गीत की याद आयी हिरामन को—

सजनवा बैरी हो गए हमारो! सजनवा .....!

(ख) "क्या आफत बना रखी है।" अनायास ही उसके मुँह से निकल गया।

अनजाने में ही कहे गए ये शब्द चलनेवाले एक बुजुर्ग के कानों तक पहुँच गए थे। उन्होंने धीरे से अपनी राय

प्रकट की, "नये आये लगते हो ? पहले–पहल ऐसा ही लगता है, धीरे–धीरे आदत पड़ जाएगी।" आकाश की ओर उंगली उठाकर उन्होंने बात आगे बढ़ायी "उस नीती छतरी वाले को शुक्र करो कि यहाँ काम मिल गया। अच्छे–भले पढ़े–लिखे लोग धक्के खाते फिरते हैं। हमारे पड़ोस में एक लड़का .... ।"

(ग) बहुत दिनों के बाद बाजारों से तुर्देदार पगड़ियाँ और लात तुर्की टोपियाँ नजर आ रही थीं। लाहौर से आए मुसलमानों में काफी संख्या ऐसे लोगों की थी जिन्हें विभाजन के समय मजबूर होकर अमृतसर से जाना पड़ा था। साढ़े सात साल में आए अनिवार्य परिवर्तनों को देखकर कहीं उनकी आँखों में हैरानी भर जाती और कहीं अफसोस घिर आता–वल्लाह। कटरा जयमलसिंह इतना चौड़ा कैसे हो गया ? क्या इस तरफ के

सब–के–सब मकान जल गए थे। यहाँ हकीम आसिफ अली की दुकान थी न ? अब यहाँ एक मोची ने कब्जा कर रखा है ?

(घ) जो आदमी आत्मा की आवाज कभी–कभी सुन लिया करता है और उसे बयान करके उससे छुट्टी पा लेता है, वह लेखक हो जाता है। आत्मा की आवाज जो लगातार सुनता है, और कहता कुछ नहीं है, वह भोला–भाला सीधा–सादा बेवकूफ है। जो उसकी आवाज बहुत ज्यादा सुना करता है और वैसा करने लगता है, वह समाज विरोधी तत्वों में यूँ ही शामिल हो जाया करता है। लेकिन जो आदमी आत्मा की आवाज जरूरत से ज्यादा सुनकर हमेशा बेचैन रहा करता है और उस बेचैनी में भीतर के हुक्म का पालन करता है, वह निहायत पागल है।

2. ‘राजा निरबंसिया’ कहानी की मूल संवेदना को स्पष्ट कीजिए। 10

3. “ ‘यही सच है’ कहानी में नयी प्रेम संवेदना का यथार्थ है।” इस कथन के आलोक में ‘यही सच है’ कहानी की संवेदना पर विचार कीजिए। 10

4. ‘गौरैया’ कहानी साम्प्रदायिकता की समस्या का किस प्रकार प्रतिरोध करती है ? विचार कीजिए। 10

5. ‘हरी बिंदी’ कहानी में आए प्रतीक किस तरह स्त्री–स्वतंत्रता को दर्शाते हैं ? विचार कीजिए। 10

6. ‘सुख’ कहानी की भाषाशैली पर विस्तार से लेख लिखिए। 10

7. निम्नलिखित में से किन्ही **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

$2 \times 5 = 10$

(क) 'कुर्बान भाई' का चरित्र

(ख) नई कहानी आंदोलन

(ग) 'सिलिया' का प्रतिपाद्य

(घ) हंसा जाई अकेला का 'हंसा'

× × × × ×